

PRESS RELEASE

National Commission for Minorities

New Delhi, February 27, 2026

National Commission for Minorities Organizes National Seminar on Buddhism in Modern India

The National Commission for Minorities (NCM) today organized a national seminar on “Buddhism in Modern India: Navigating Cultural and Social Pathways” at the SCOP Complex, New Delhi. The seminar brought together policymakers, scholars, spiritual leaders, and community representatives to deliberate on the evolving role of Buddhism in India’s socio-cultural landscape.

The programme was graced by Shri Kiren Rijiju, Hon’ble Minister of Minority Affairs, and Shri George Kurian, Hon’ble Minister of State for Minority Affairs. Shri Shartse Khensur Rinpoche Jangchup Choeden, Secretary General, International Buddhist Confederation, also graced the occasion. Senior officials present included Ms. Alka Upadhyaya, Secretary, NCM; Dr. Chandra Shekhar Kumar, Secretary, Ministry of Minority Affairs; and Dr. Atya Nand, Joint Secretary, NCM.

In his address, Shri Kiren Rijiju underscored the importance of preserving and promoting India’s rich Buddhist heritage while ensuring inclusive development for minority communities. Shri George Kurian highlighted the Government’s commitment to strengthening cultural identity and educational advancement among Buddhists across the country.

The seminar featured a substantive panel discussion moderated by Shri Niraj Kumar, Joint Secretary, Ministry of Development of North Eastern Region. Distinguished speakers included Shri Testen Tashi Bhutia, Former Minister, Sikkim; Acharya Shri Yeshe Phuntsok, Mahayana Senior Buddhist Monk, Delhi; Ms. Jigme Youdrun Lhamo, Incharge, Druk Drilburi Nunnery, Lahaul, Himachal Pradesh; Shri Mahendra Bhante, Bhadant Gyaneshwar Buddha Vihar, Kushinagar, Uttar Pradesh; Dr. Manish Sinha, Professor (Ex-Head), Department of History, Magadh University, Bodhgaya; and Dr. Sanjeev Kumar H.M., Professor, Department of Political Science, Faculty of Social Sciences, University of Delhi.

The discussion explored contemporary challenges and opportunities for Buddhism in India, including heritage conservation, education, youth engagement, regional development, and the global relevance of Buddhist philosophy in fostering peace and social harmony.

The seminar concluded with a reaffirmation of the NCM’s commitment to facilitating dialogue, research, and policy initiatives aimed at strengthening the cultural and social pathways of Buddhism in modern India.

प्रेस विज्ञप्ति

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 2026

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग ने आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग (एनसीएम) ने आज स्कोप कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली में "आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म: सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य का विश्लेषण" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में नीति-निर्माताओं, विद्वानों, धार्मिक नेताओं और समुदाय के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक परिदृश्य में बौद्ध धर्म की विकसित भूमिका पर चर्चा की।

इस अवसर पर माननीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री श्री किरेन रिजिजू और माननीय राज्य मंत्री अल्पसंख्यक कार्य श्री जॉर्ज कुरियन उपस्थित थे। श्री शार्टसे खेनसुर रिनपोचे जंगचुप चोडेन, महासचिव, इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्फेडरेशन भी उपस्थित थे। वरिष्ठ अधिकारियों में एनसीएम की सचिव श्रीमती अलका उपाध्याय, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के सचिव डॉ. चंद्र शेखर कुमार और एनसीएम के संयुक्त सचिव डॉ. अत्यानंद शामिल थे।

अपने संबोधन में, श्री किरेन रिजिजू ने भारत की समृद्ध बौद्ध विरासत को संरक्षित और प्रोत्साहित करने के महत्व पर बल दिया, साथ ही अल्पसंख्यक समुदायों के लिए समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर जोर दिया। श्री जॉर्ज कुरियन ने देश भर में बौद्धों के बीच सांस्कृतिक पहचान और शैक्षिक प्रगति को मजबूत करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला।

संगोष्ठी में एक सार्थक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसका संचालन श्री नीरज कुमार, संयुक्त सचिव, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय ने किया। इस चर्चा में शामिल थे श्री टेस्टेन ताशी भूटिया, पूर्व मंत्री, सिक्किम; अचारीया श्री येशी फुंटसोक, महायान वरिष्ठ बौद्ध भिक्षु, दिल्ली; श्रीमती जिग्मे यौद्रोन ल्हामो, प्रभारी, द्रुक ड्रिलबुरी ननरी, लाहौल, हिमाचल प्रदेश; श्री महेंद्र भन्ते, भदंत ज्ञानेश्वर बुद्ध विहार, कुशीनगर, उत्तर प्रदेश; डॉ. मनीष सिन्हा, प्रोफेसर (पूर्व-विभागाध्यक्ष), इतिहास विभाग, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया; और डॉ. संजीव कुमार एच.एम., प्रोफेसर, राजनीति विज्ञान विभाग, सामाजिक विज्ञान संकाय, दिल्ली विश्वविद्यालय।

इस चर्चा में भारत में बौद्ध धर्म के लिए वर्तमान चुनौतियों और अवसरों का अन्वेषण किया गया, जिसमें विरासत संरक्षण, शिक्षा, युवा जुड़ाव, क्षेत्रीय विकास और शांति और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने में बौद्ध दर्शन की वैश्विक प्रासंगिकता शामिल है।

संगोष्ठी का समापन एनसीएम की आधुनिक भारत में बौद्ध धर्म के सांस्कृतिक और सामाजिक परिदृश्य को मजबूत करने के लिए संवाद, अनुसंधान और नीति पहल को सुविधाजनक बनाने की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि के साथ हुआ।